Urinary (Foley's) Catheter Care At Home

1. **Hygiene & Cleaning:**
    - Wash your hands **before and after** touching the catheter or drainage bag.
    - Clean the area where the catheter enters your body **twice daily** with warm water and mild soap.
    - Gently dry with a clean towel — **do not tug** on the catheter.

2. **Positioning:**
    - Keep the **drainage bag below your bladder** level to avoid backflow.
    - **Do not let the bag touch the floor.**
    - When walking, use a **leg bag** or secure the large drainage bag properly.

3. **Emptying the Drainage Bag:**
    - Empty when it is **two-thirds full** or at least **every 8 hours**.
    - Wash hands → Open the spout → Drain urine into a clean container or toilet → Close spout → Wipe with alcohol pad.
    - **Record urine output** if your doctor has asked.

What to Watch For (Call Your Doctor If):

4. **Signs of Infection:**
    - Fever or chills
    - Cloudy, foul-smelling urine
    - Pain or burning in your lower abdomen
    - Redness, swelling, or discharge at insertion site

5. **Catheter Issues:**
    - Urine not draining
    - Leaking around the catheter
    - The catheter falls out

पेशाब (फोली) कैथेटर की देखभाल

1. **स्वच्छता और सफ़ाई:**
   - कैथेटर या ड्रेनेज बैग को छूने से पहले और बाद में अपने हाथ धोएँ।
   - कैथेटर आपके शरीर में प्रवेश करने वाले क्षेत्र को दिन में दो बार गर्म पानी और हल्के साबुन से साफ़ करें।
   - साफ़ तौलिये से धीरे से सुखाएँ - कैथेटर को खींचकर न रखें।

2. **स्थिति:**
   - मूत्र के वापस बहने से बचने के लिए ड्रेनेज बैग को अपने मूत्राशय के स्तर से नीचे रखें।
   - बैग को ज़मीन से न छूने दें।
   - चलते समय, लेग बैग का इस्तेमाल करें या बड़े ड्रेनेज बैग को ठीक से बाँध लें।

3. **ड्रेनेज बैग खाली करना:**
   - जब यह दो-तिहाई भर जाए या कम से कम हर 8 घंटे में खाली करें।
   - हाथ धोएँ → टोंटी खोलें → मूत्र को किसी साफ़ बर्तन या शौचालय में डालें → टोंटी बंद करें → अल्कोहल पैड से पोंछें।
   - यदि आपके डॉक्टर ने कहा हो, तो मूत्र उत्पादन रिकॉर्ड करें।

किन बातों का ध्यान रखें (यदि हो तो डॉक्टर से संपर्क करें):

4. **संक्रमण के लक्षण:**
   - बुखार या ठंड लगना
   - धुंधला और दुर्गंधयुक्त मूत्र
   - पेट के निचले हिस्से में दर्द या जलन
   - प्रवेश स्थल पर लालिमा, सूजन या स्राव
5. **कैथेटर संबंधी समस्याएँ:**
   - मूत्र का न निकलना
   - कैथेटर के आसपास रिसाव
   - कैथेटर का बाहर गिरना